ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-04-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-04-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-04-13	2022-04-14	2022-04-15	2022-04-16	2022-04-17
वर्षा (मिमी)	0.0	1.0	2.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	38.0	37.0	37.0	37.0
न्यूनतम तापमान(से.)	22.0	21.0	19.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	75	75	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	14.0	12.0	12.0	10.0
पवन दिशा (डिग्री)	120	120	120	50	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	5	3	2	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (5 – 11 अप्रैल, 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा। अधिकतम तापमान 37.0 से 37.6 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 14.1 से 19.9 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 57 से 90 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 14 से 29 प्रतिशत एवं हवा 2.0 से 6.7 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः उत्तर, पूर्व-उत्तर-पूर्व, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, 13 व 14 अप्रैल को कहीं-कहीं बूंदा-बांदी हो सकती है तथा आमतौर पर मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.0 से 38.0 व 17.0 से 22.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 8.0-12.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व व पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 17 से 23 अप्रैल के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) ओं और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| गेहूं की मड़ाई के समय ध्यान रखे की थ्रेसर ठीक से काम कर रहा हो और गेहूं का लांख अच्छी तरह सूखा हो और मड़ाई का कार्य जल्दी कर ले । भंडारण के लिए गेहूं को कड़ी धूप मे अच्छे से सूखा ले के उसमे 8-10 % से अधिक न रहे । बोरियों को 5% नीम तेल के घोल से उपचारित करे । बोरियों को धूप मे सुखाकर रखे । जिससे कीटों के अंडे तथा लार्वा तथा अन्य बीमारियाँ आदि नष्ट हो जाए ।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, 13 व 14 अप्रैल को कहीं-कहीं बूंदा-बांदी हो सकती है तथा आमतौर पर मौसम साफ रहेगा।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की कटाई एवं मड़ाई का कार्य करें। भंडारण से पहले काटे गए अनाज को पर्याप्त रूप से सुखाना चाहिए।
मसूर की दाल	दलहनी फसलों की कटाई फसल पकने के तुरंत बाद सुबह के समय करें अन्यथा दाने झड़ने से नुकसान होता है। भण्डारण से पूर्व दानों को अच्छी तरह से सुखा लें।
गन्ना	अगर गेहूँ की कटाई के बाद विलम्ब से गन्ना की बुवाई करनी हो तो इसे अप्रैल माह में पूरा कर लें। बुवाई हेतु गन्ना के 1/3 से 1/2 ऊपरी हिस्सों को बीज में प्रयोग करें। बीजोपचार से पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगोंए। इससे जमाव में आशातील बढ़ोत्तरी होती है। बीज शोधन होतु 1 ग्राम कार्बेडाजिम 50 प्रतिशत को एक लीटर पानी की दर से घोल बनाए।
लहसुन	लहसुन की फसल इस माह के अन्त तक फसल तैयार हो जायगी। फसल काटने से 15 दिन पूर्व सिंचाई बन्द कर दें।
मूँग	ग्रीष्मकालीन मूँग की फसल में बुवाई के 25-30 दिन पर सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	गुम्मा रोग से ग्रस्त बौर को तोड़कर निकाल देना चाहिए। जब आम का फल मटर के दाने के बराबर हो जाय तो सिंचाई शुरू कर देनी चाहिए। थाले बनाकर 10-15 दिनों के अन्तराल पर दो-तीन सिंचाई करनी चाहिए।
कद्दू	कद्दू वर्गीय सब्जियो मे पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
अरबी	मैदानी, भाबर व तराई क्षेत्रों में, इस माह अरबी की अगेती किस्म की की बुवाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं में मेस्टाईटिस के लक्षण दिखाई देने पर इसका तुरंत इलाज करें। इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूर पिलाये। गर्मी की लहरों से बचने के लिए उचित वेंटिलेशन प्रदान करें।
गाय	पशुओं में मेस्टाईटिस के लक्षण दिखाई देने पर इसका तुरंत इलाज करें। इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूर पिलाये। गर्मी की लहरों से बचने के लिए उचित वेंटिलेशन प्रदान करें।